बेंगलूरु. सोमवार, 17.11.2014 rajasthanpatrika.com

बच्चा अचेत हो तो, हो जाएं सचेत

मिर्गी का इलाज दवा न की जादू-टोना

बेंगलूरु. राष्ट्रीय मिर्गी दिवस पर रविवार को परिज्मा न्यूरोडाइग्नोस्टिक एंड रीहैबिलीटेशन सेंटर की ओर से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त एम.एन.रेड्डी और कन्नड़ फिल्म अभिनेता अविनाश ने बाल मरीजों का हौंसला बढ़ाया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों की गतिविधियों और कार्य क्षमता को देखकर लगा कि सही इलाज और अपनों का सहारा मिले तो ये बच्चे किसी से कम नहीं हैं। सेंटर के निदेशक और मुख्य बाल [illegible] डॉ.सुरेश राव अरूर ने कहा, मजबूत इच्छाशक्ति और थो[illegible] कुछ भी असंभव नहीं [illegible] प्रकार होते हैं, जिनकी समय रहते पहचान और उपचार आवश्यक है। बच्चा अगर कुछ पल के लिए अचेत हो जाए और बाद में थका हुआ महसूस करे तो सचेत होने की जरूरत है। यह मिर्गी का दौरा हो सकता है। समय रहते इसका इलाज संभव है। मिर्गी का इलाज दवाहै, जादू-टोना नहीं। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने अभिभावकों के कई सवालों का जवाब दिया।